Seventeenth Loksabha

an>

Title: Demand to construct Road over Bridge to ensure safety of wild animals in Tal Chhapar sanctuary in Churu, Rajasthan.

श्री हनुमान बेनीवाल (नागौर): सभापति महोदया, सबसे पहले तो मैं आपको धन्यवाद दूंगा कि आपने इस महत्वपूर्ण विषय पर मुझे बोलने की अनुमति दी । मैं आपके माध्यम से परिवहन मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि राजस्थान के चुरु जिले में विश्व विख्यात ताल-छापर मृग अभ्यारण्य , जो सुजानगढ़ से रतनगढ़ के मध्य स्थित है, वहां आए दिन सड़क हादसों से कई मृग, चिंकारा और अन्य पशु-पक्षी काल-कवलित हो जाते हैं । इनकी सुरक्षा के लिए सीकर-नोखा राज्य राजमार्ग पर छापर ग्राम से उक्त अभ्यारण्य के मध्य से गुजर रही सड़क 87 किलोमीटर से 90 किलोमीटर है, इसमें कुल 3 किलोमीटर ओवर ब्रिज का निर्माण भारत सरकार द्वारा करवाया जाए, ताकि वन्य जीवों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके । इस ताल-छापर मृग अभ्यारण्य , जहां प्रवासी पक्षी भी आते हैं में आज की तारीख में 3300 से अधिक कृष्ण मृग व 700 से अधिक चिंकारा हैं ।

इस अभ्यारण्य के संरक्षण के लिए 3 किलोमीटर पुल निर्माण हेतु ज्यादा बजट की आवश्यकता है । ज्यादा बजट होने के कारण राज्य सरकार इसको नहीं करवा सकती है । आने वाले दिनों में इसको राष्ट्रीय अभ्यारण्य भी घोषित किया जा सकता है । केंद्र सरकार इसकी डीपीआर बनाए और 3 किलोमीटर के पुल की जितनी भी लागत आए उसको स्वीकृत करे, क्योंकि हजारों की संख्या में यहां पशु-पक्षी, चिंकारा और मृग आते हैं ।

अत: मेरा निवेदन है कि केंद्र सरकार इसके लिए विशेष पैकेज दे या राज्य सरकार से बात करके किसी दूसरी एजेंसी के माध्यम से इसको बनवाने का काम करे, क्योंकि इसका निर्माण पशु-पक्षियों और मृगों के जीवन के लिहाज से अत्यंत आवश्यक है । वाइल्ड लाइफ क्रॉसिंग के तहत भी इस कार्य को करवाया जा सकता है । मेरी आपके माध्यम से पुन: अपील है कि विश्व विख्यात ताल-छापर मृग अभ्यारण्य में परिंदे भी सितंबर के प्रथम सप्ताह से आने शुरू हो जाते हैं, जो

कि मार्च के अंतिम सप्ताह तक अपना प्रवास ताल-छापर कृष्ण मृग अभ्यारण्य में ही बिताते हैं ।

यहां आने वाले परिंदों में मुख्यत: हेरियर, मोंटेग्यू हेरियर, पेलीड हेरियर सहित विभिन्न प्रजातियों के परिंदे भी आते हैं । मेरा आपके माध्यम से वन एवं पर्यावरण मंत्री जी से आग्रह है कि राजस्थान सरकार के पास बजट के अभाव के कारण आप वहां 3 किलोमीटर लंबा पुल सड़क के बीच बनवाने की कृपा करें, ताकि आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं से पशु-पक्षियों को बचाया जा सके । इसके साथ ही साथ इसे राष्ट्रीय अभ्यारण्य घोषित करें ताकि लोगों को राहत मिले और आने वाले समय में पर्यटन की दृष्टि से भी वहां के इलाके को और विकसित किया जा सके । धन्यवाद ।